दैनिक भास्कर

IIT-JEE Achievers

29, Apr. 2016(Fri)

learning precedes achievements

MARKETING INITIATIVE

मितेश राठी क्लासेस ने दिए सर्वाधिक सलेक्शन

भोपाल। किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मिलने वाले मार्गदर्शन की एक अहम भूमिका रहती है। बुधवार को घोषित हुए जेईई मेंस परीक्षा परिणामों में मितेश राठी क्लासेस से 300 से अधिक छात्रों का चयन यह साबित भी करता है। संस्थान के डायरेक्टर मितेश राठी ने बताया कि पिछले कई सालों से आईआईटी जेईई में अधिकतम छात्रों का चयन हमारे यहां से हुआ है। यहां पर फिजिक्स, कैमेस्ट्री और मैथ्स की पढ़ाई योजनाबद्ध तरीके से कराई जाती है, जिसका फायदा बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ बोर्ड स्तरीय परीक्षाओं में मिलता है। इससे बच्चों का परफार्मेंस बेहतर तो होता ही है साथ ही उन्हें स्कूल और कोचिंग में तालमेल बिठाने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए छात्रों का स्मार्ट, ट्रिकी और धैर्यवान होना जरूरी होता है और ऐसी तमाम परिस्थितियों के लिए छात्रों को बेहतर तरीके से तैयार करता है हमारा संस्थान।

आगे उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 की आईआईटी जेईई मेंस में संस्था से हर्षित खन्ना ने टॉप किया है, उन्होंने 272 अंक प्राप्त किए। दूसरे स्थान पर सिद्धार्थ श्रीवास्तव रहे, उन्होंने 265 अंक प्राप्त किए। इसके अलावा संस्था से कई छात्रों ने 200 से अधिक अंक प्राप्त किए। इनमें निखिल भोगे 254, अभिजीत पांडे 242, आयुष चतुर्वेदी 237, अर्पित जैन 233, ऋषभ अग्रवाल 230, प्रियंका सक्सेना 228, रोहन 222, गौरव सूर्यवंशी 221, स्वर्णिम पांडे 220 आदि शामिल हैं।

संस्था से जेईई मेंस में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र हर्षित खन्ना अपनी सफलता का श्रेय मितेश राठी सर को देते हैं। उन्होंने बताया कि कोचिंग की टेस्ट सीरीज, पाठ्यक्रम और फैकल्टीज का मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण रहा। यहां के टेस्ट सीरीज प्रोग्राम को धीरे-धीरे कठिन किया गया। एक समय बाद टेस्ट सीरीज का पैटर्न बिल्कुल जेईई के स्तर का हो गया, जिसका लाभ परीक्षा में मिला। एडवांस की तैयारी के लिए हर्षित डाउट क्लियरेंस क्लासेस और टेस्ट सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं।

वहीं दूसरे छात्र सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि मितेश राठी क्लासेस के सारे टीचर्स बहुत सपोर्टिव हैं। यहां पर डाउट क्लियरिंग बहुत बेहतर तरीके से की जाती है। छात्रों के मार्गदर्शन के टीचर यहां हर समय उपस्थित रहते हैं। संस्था में आयोजित होने वाली टेस्ट सीरीज का स्तर बिल्कुल जेईई के स्तर का होता है। एडवांस की तैयारी के लिए प्रिवियस ईयर के पेपर सॉल्व, डाउट क्लियरेंस क्लासेस और संस्था द्वारा उपलब्ध कराए गए स्टडी मैटेरियल से सिद्धार्थ तैयारी कर रहे हैं। वो अपनी करियर कम्प्यूटर साइंस की फील्ड में बनाने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने बताया कि कम्प्यूटर साइंस चुनने का मुख्य कारण इस फील्ड का स्कोप है। जिस तरह से देश टेक्नोलॉजी में तरक्की कर रहा है उस तरह से लगातार सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स की डिमांड बढ़ती जा रही है। इसके अलावा सैलरी पैकेज भी कम्प्यूटर साइंस में ही सबसे अधिक है। संस्था से चयनित होने वाले अन्य छात्र कहते हैं कि परीक्षा में सफलता के लिए मितेश सर द्वारा दिए जाने वाले मार्गदर्शन की एक अहम भूमिका रही। उन्हें मितेश राठी सर का पढ़ाने का तरीका बेहद इंट्रेस्टिंग लगता है। वो कभी-कभी लर्न विद फन को भी स्टडी में शामिल करते हैं। इसके अलावा अन्य फैकल्टी मेंबर्स भी काफी सपोर्टिंग हैं, जिनकी वजह से लंबी क्लासेस बोझिल नहीं लगती। संस्था में सीखी गई ट्रिक्स और टाइम मैनेजमेंट की सफलता में निर्णायक भूमिका रही।

मितेश राठी क्लासेस के टीचर्स द्वारा कॉन्सेप्ट क्लीयर करना, मोटिवेट करना, निरंतर अंतराल में आयोजित मॉक टेस्ट में परीक्षा का माहौल प्रदान करना, सेमिनार व वन टू वन सेशनों का आयोजन आदि कारणों से संस्थान से वर्ष 2015 में 210 से अधिक छात्रों का चयन जेईई मेंस परीक्षा में हुआ।

मितेश राठी क्लासेस शहर में आईआईटी जेईई मेंस, एडवांस, और सभी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए जाना पहचाना नाम है। संस्थान की शिक्षण पद्धति, पाठ्यक्रम का समय से पूर्ण होना, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन, छात्रों की कमजोरियों को दूर करना, टेस्ट सीरिज, रिविजन क्लासेस इत्यादि ऐसे कारण हैं, जो छात्रों की सफलता को यहां सुनिश्चित करते हैं। संस्था में 8 मई को स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है।

इंपैक्ट फीचर